फसल विविधकरण से आय में हों रही दोगुनी से ज्यादा वृद्धि

पवन कुमार सपुत्र गुरदास राम गाँव गोंदपुर, विकास खंड हरोली जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 98053-69009

पवन कुमार सपुत्र गुरदास राम गाँव गोंदपुर, विकास खंड हरोली जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश के प्रगतिशील किसान हैं। इनका गाँव विकास खंड हरोली मुख्यालय से लगभग 17 किलोमीटर है। जिला मुख्यालय ऊना से 25 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल पंजाब की सीमा से सटा हुआ है।

इनके पास अपनी लगभग 15 कनाल भूमि है, जिस पर ये कई वर्षों से मक्का तथा गेहूं लगाते थे, जिस से परिवार का पालन पोषण भी बड़ी मुशिकल से होता था। बदलते जमाने में बढ़ते हुए वयय, तथा बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी बढ़ने लगा।

विभागीय तकनीकी हस्तक्षेप कुछ वर्ष पहले किसान को फसल विविधिकरण की जानकारी कृषि विभाग द्वारा दी गयी व् किसान ने फसल विविधकरण के महत्त्व को समझा, जिसके उपरांत किसान ने अपने खेतों में मक्का तथा गेहूं के अलावा विभिन्न सब्जियां भी लगानी शुरू की, जिस में किसान को आर्थिक फायदा भी बढ़ने लगा। कृषि विभाग से सब्जिओं का बीज, तथा कृषि उपयोगी यंत्रों (स्प्रे पंप, बीज उपचारण हेतु टब) का भी किसान ने लाभ लिया जो कि विभाग द्वारा अनुदान पर उपलब्ध करवाए गये और प्रगति के पथ पर अग्रसर होकर किसान ने सब्जी उत्पादन के लिए कुछ जमीन भी लीज पर ली, इस तरह पवन कुमार आज के समय में लगभग 60 कनाल में खेती कर रहे है, जिसमें खीरा, लोबिया, करेला, कद्दू, लोकी, तोरी मुख्य हैं।

किसान को फसल विविधकरण से अच्छा फायदा हों रहा है, आज के इस विश्विक महामारी के समय में किसान ने खेती से लाभ प्राप्त किआ तथा अन्य गाँव की महिलायों को

भी रोजगार दिया। पवन कुमार तथा इनकी धर्मपत्नी दोनों खेती करते हैं, खेती के व्यवसाय से किसान अपने बच्चों को उच्च शिक्षा अछे कालेज से दिलवा रहे हैं।

फसल विविधकरण से पहले किसान की आय में बढ़ोतरी हुयी है। किसान द्वारा बताया गया कि इनके पास से 10 क्विंटल खीरा, 8 क्विंटल कद्दू, 2 क्विंटल लोबिया, 0.90 kg तोरी तीसरे दिन बाजार में भेजी जाती थी, जिसकी कीमत औसत 1800, 300, 1800 तथा 1200 प्रति क्विंटल क्रमशः खीरा, कद्दू, लोबिया तथा तोरी होती थी। **इस प्रकार से किसान ने खरीफ 2020 में फसल विविधकरण से लगभग 8 – 9 लाख की सब्जी विक्रय की है** और किसान की आय में बढ़ोतरी भी हुयी है। विविधकरण से पहले जहाँ किसान सीजन में किसान ने कोरोना काल में लघभग मई जून के महीने में 8-10 लोगों को फसल तुडाई से लिए भी खेत में रोजगार दिया हुआ था।